जंगल में पेड़ काटने वाला उद्योग (लॉगिंग इण्डस्ट्री) ट्रॉपिकल बड्र्स के संरक्षण में भी मददगार हो सकता है। एक नए शोध में ट्रापिकल टिम्बर इण्डस्ट्री की संरक्षण जिम्मेवारियों का परिमाण निर्धारित करते समय पाया गया कि, संवेदनशील पक्षी प्रजातियों की विश्व की 32 प्रतिशत रेंज और जिन देशों में शोध हुआ उनकी शत प्रतिशत रेंज लॉगिंग कम्पनियों को लीज़ पर दी गई हैं। शोधकर्ताओं ने पूर्व में किए गए अध्ययनों की जांच की, उन संवेदनशील पक्षी प्रजातियों को चिन्हित करने के लिए जिनकी आबादी कुछ चुनिंदा वृक्षों की कटाई के बाद घटी थी। जैव विविधता के संरक्षण के लिए पर्यावरण विशेषज्ञ सिर्फ संरक्षित क्षेत्र पर ही निर्भर नहीं रह सकते हैं। विश्व के केवल 6 से 18 प्रतिशत जंगल ही संरक्षित क्षेत्र में आते हैं। जबकि आधे से अधिक लकड़ी के उद्योग के लिए निर्दिष्ट हैं। उष्णकटिबंधीय वनों में अधिकांश टिम्बर उत्पादन चयनित वृक्षों की कटाई से होता है, जिससे जैव विविधता में कमी आती है, खासकर खेती या विकास के नाम पर जंगल काटे जाने की तुलना में। ये जंगल अपनी जैव विविधता बरकरार रख सकते हैं और वन्यजीवों को आवास मुहैय्या करवाते रह सकते हैं, साथ ही संसाधन उत्पादन भी हो सकता है। लेकिन तभी, जबकि, पेड़ों की कटाई जिम्मेवारी से की जाए। यही वजह है कि, टिम्बर उद्योग कई वन्यजीव प्रजातियों के संरक्षण या विनाश का कारण हो सकता है। इस तरह के विश्लेषण वनों के संरक्षण में सरकारों के लिए मददगार हो सकते हैं।

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा का कार्यकाल बढ़ाए जाने की संभावना मजबूत हुई

नड्डा का अध्यक्षीय कार्यकाल 20 जनवरी को पूरा हो रहा है, उसे लोकसभा चुनावों तक विस्तार देने का फैसला हो सकता है

नयी दिल्ली, 14 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सोमवार से शुरू होने जा रही दो दिवसीय बैठक में इस वर्ष होने वाले नौ राज्यों के विधानसभा चुनावों और अगले वर्ष लोकसभा चुनावों के एजेंडे पर चर्चा होने तथा पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के कार्यकाल को आम चुनावों तक के लिए बढ़ाए जाने की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार अगले सप्ताह 16 जनवरी को पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में पूर्वाह्न 10 बजे से दोपहर बाद एक बजे तक पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक होगी, जिसमें पार्टी के अगले दो दिनों के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय होगी और राजनीतिक एवं आर्थिक प्रस्ताव के मसौदे को अंतिम रूप दिया जाएगा। उसके बाद अपराह्न चार बजे दिल्ली में एनडीएमसी कन्वैंशन सैन्टर में कार्यकारिणी की बैठक पार्टी अध्यक्ष नड्डा के अध्यक्षीय उद्बोधन के साथ शुरू होगी।

- **सूत्रों के अनुसार अगले सप्ताह 16 जनवरी को पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में पूर्वाह्न 10 बजे से दोपहर बाद एक बजे तक पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक होगी, जिसमें पार्टी के अगले दो दिनों के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी और राजनीतिक एवं आर्थिक प्रस्ताव के मसौदे को अंतिम रूप दिया जाएगा।**
- **कार्यकरिणी की बैठक शुरू होने के साथ सबसे पहले गुजरात विधानसभा चुनावों में भाजपा की सबसे बड़ी जीत के लिए औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री मोदी का संगठन की ओर से स्वागत और धन्यवाद ज्ञापित किया जायेगा।**

इसके ठीक पहले अपराह्न तीन बजे से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पटेल चौक से एनडीएमसी कन्वैंशन सैन्टर तक करीब आधा किलोमीटर लंबा रोड शो होगा। इस दौरान दिल्ली के हजारों लोग सड़क पर मोदी का अभिनंदन करेंगे। कार्यकरिणी की बैठक शुरू होने के साथ सबसे पहले गुजरात विधानसभा चुनावों में भाजपा की सबसे बड़ी जीत के लिए औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री मोदी का संगठन की ओर से स्वागत और धन्यवाद ज्ञापित किया जायेगा।

इसके अलावा भारत को विश्व के आर्थिक रूप से शक्तिशाली 20 देशों के समूह जी-20 की अध्यक्षता मिलने पर भी प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया जायेगा। सूत्रों के अनुसार बैठक में वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर, गोवा और गुजरात में पार्टी की जीत के मुद्दों एवं वजहों पर विस्तार से चर्चा होने के साथ ही उस एजेंडे को आगे बढ़ाने तथा इस साल नौ राज्यों – मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तेलंगाना, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड में चुनावों तथा अगले वर्ष आम चुनावों की तैयारियों पर भी चर्चा होगी।

त्रिपुरा में कांग्रेस और माकपा साथ मिलकर लड़ेंगे चुनाव

- **दोनों पार्टियों की अगले महीने होने वाले चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे को लेकर लगभग सहमति बनी**
- **माकपा के राज्य सचिव जितेंद्र चौधरी ने कहा कि माकपा भारतीय जनता पार्टी के अलावा किसी भी पार्टी के साथ जाने को तैयार है।**
- **उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस और वाम दलों ने हाथ मिलाया और उम्मीद है कि अन्य गैर-भाजपा दल भाजपा को हराने के लिए हमारे साथ आएंगे।**

अगरतला 14 जनवरी (वार्ता) त्रिपुरा में दो प्रमुख प्रतिद्वंदियों मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस ने मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की है और अगले महीने होने वाले चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए शनिवार को अपनी पहली बैठक की।

माकपा के राज्य सचिव जितेंद्र चौधरी और कांग्रेस के पर्यवेक्षक व वरिष्ठ नेता डॉ अजॉय कुमार ने वाम मोर्चा के संयोजक नारायण कार सहित दोनों दलों के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक में अपने-अपने दलों का प्रतिनिधित्व किया। नेताओं ने बैठक को 'फलदायी' और 'मिशन को प्राप्त करने' की दिशा में एक कदम के रूप में समाप्त किया।

चौधरी ने कहा कि भगवा ब्रिगेड को हराने के लिए माकपा भारतीय जनता पार्टी के अलावा किसी भी पार्टी के साथ जाने को तैयार है, क्योंकि पांच साल में उन्होंने त्रिपुरा को राज्य के विकास के खिलाफ अपराधियों और असामाजिक लोगों की मदद करने के लिए आतंक की भूमि बना दिया। साथ ही राज्य में हिंसा, हमले, आगजनी और हत्या नियमित मामले बन गए हैं। भाजपा के शासन में लोकतांत्रिक संस्थाओं को बुरी तरह नुकसान हुआ है।

उन्होंने दावा किया,दो हफ्ते पहले, वामपंथी दलों और कांग्रेस ने लोगों से भाजपा के कुशासन के खिलाफ एकजुट होने की अपील की थी। हमें जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और आम लोग त्रिपुरा को भाजपा के कुशासन से मुक्त कराने के लिए एकजुट लड़ाई चाहते हैं। नतीजतन, कांग्रेस और वाम दलों ने हाथ मिलाया और उम्मीद है कि अन्य गैर-भाजपा दल भाजपा को हराने के लिए हमारे साथ आएंगे।

डॉ. कुमार ने कहा,सीट बंटवारे के समझौते को अंतिम रूप देने के लिए राज्य कांग्रेस की एक टीम माकपा प्रमुख के साथ बैठेगी, क्योंकि विधानसभा चुनाव में साथ मिलकर लड़ने का फैसला किया गया है। उन्होंने यह भी कहा,सीटों की संख्या महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन भगवा पार्टी की हार मुख्य एजेंडा है। उन्होंने कहा कि माकपा टीआईपीआरए मोथा के अध्यक्ष प्रद्योत देबबर्मन को अपने पाले में लाने के लिए चर्चा की प्रक्रिया में हैं। मिशन में सफल होने के लिए अन्य सभी पार्टियों को भी हमारे साथ हाथ मिलाने के लिए आमंत्रित किया गया है।

'जो भी पार्टी मालपुरा के व्यक्ति को टिकट देगी उसका साथ दूंगा'

पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सुरेन्द्र व्यास ने 30 साल बाद राजनीति में सक्रियता के संकेत दिए

मालपुरा, (निसं)। राजस्थान के लौह पुरूष एवं पूर्व गृहमंत्री स्व. दामोदर लाल व्यास की 47वीं पुण्य तिथि पर मालपुरा में सर्वधर्म प्रार्थना सभा एवं श्रद्धाजंलि सभा आयोजित की गई। दामोदर लाल व्यास के पुत्र पूर्व शिक्षामंत्री व ब्राह्मण नेता डॉ. सुरेन्द्र व्यास ने 30 साल बाद अपनी चुप्पी तोड़ी और सभा को संबोधित किया। उन्होने भाजपा व कांग्रेस खेमों में उठ रही स्थानीय व्यक्ति को टिकट देने की मांग का समर्थन किया। उनके इस बयान को स्थानीय राजनीति में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

डॉ. सुरेन्द्र व्यास ने वर्ष 1993 में भाजपा प्रत्याशी जीतराम चौधरी से हुई करारी हार के बाद राजनीति से दूरियां बना ली थी। पर शनिवार को जब वे अपने समर्थकों के बीच पहुंचे तो लोगों ने उनसे पुन: चुनाव लड़ने की मांग की डॉ. व्यास ने समर्थकों की भावनाओं को सुनकर अपनी चुप्पी तोडते हुए कहा कि मालपुरा टोडारायसिंह विधानसभा क्षेत्र में ढाई लाख मतदाता हैं, जिनमें 65 प्रतिशत मतदाता मालपुरा तहसील का 38 ग्राम पंचायतों से हैं। जबकि टोडारायसिंह तहसील क्षैत्र में महज 35 प्रतिशत मतदाता हैं। ऐसे मे इस सीट से विधायक बनने का अधिकार मालपुरा तहसील के लोगों का है। डॉ. व्यास ने कांग्रेस पार्टी नाम लिए बिना कहा कि राष्ट्रीय पार्टी द्वारा विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी चयन में मालपुरा तहसील के कार्यकर्ताओं व जातिगत समीकरणों को कभी समझौते में तो कभी दबाव मे तो कभी विपक्ष की सुविधा के लिए नज़र अंदाज किया गया है। इसीलिए 30 साल से मालपुरा का व्यक्ति स्थानीय विधायक नहीं बन पाया है। हर बार प्रमुख राजनैतिक दलों मे स्थानीय की मांग तो उठी लेकिन आलाकमान ने नज़रअंदाज कर दिया। जिससे आज मालपुरा तहसील क्षेत्र विकास की दृष्टि मे पिछडा हुआ है। राजनैतिक चर्चा के दौरान डॉ. व्यास ने कहा कि इस बार मालपुरा तहसील का विधायक बने, स्थानीय की मांग पूरी हो, विकास को गति मिले, इसके लिए क्षेत्र की जनभावनाओं का ध्यान मे रखते हुए स्थानीय व्यक्ति को किसी भी पार्टी से टिकट मिले तो स्वंय खुलकर उसके साथ आ जायेगा। चाहे वो किसी भी समाज व जाति से हों। सुत्रों की माने तो बीते कई सालों से घासीलाल चौधरी, डॉ. चन्द्रभान, रामविलास चौधरी, प्रभाती लाल जाट, रामफुल पीआरओ, सतवीर चौधरी, यशवीर शुरा, नन्दकिशोर सैनी, रामचन्द्र गुर्जर, गोपाल गुर्जर, अवधेश शर्मा, भैरूलाल गुर्जर, सुभाष गालव, भंवरलाल मुवाल, हंसराज गाथा आदि के नाम राजनैतिक गलियारे में प्रचलित रहे हैं।

- **राजस्थान के लौह पुरूष रहे, पूर्व गृह मंत्री दामोदर लाल व्यास के पुत्र डॉ. सुरेन्द्र व्यास ने अपने पिता की 47वीं पुण्यतिथि पर अपना रूख स्पष्ट किया।**
- **ब्राह्मणों में अच्छी पैठ रखने वाले कांग्रेस पृष्ठभूमि के सुरेन्द्र व्यास ने 1993 में टोडारायसिंह-मालपुरा सीट से करारी हार के बाद राजनीति से दूरी बना ली थी।**
- **डॉ. व्यास का कहना है कि, टोडारायसिंह-मालपुरा सीट के 65 प्रतिशत मतदाता मालपुरा के हैं, इसलिए इस सीट पर मालपुरा के व्यक्ति को ही टिकट दिया जाना चाहिए।**

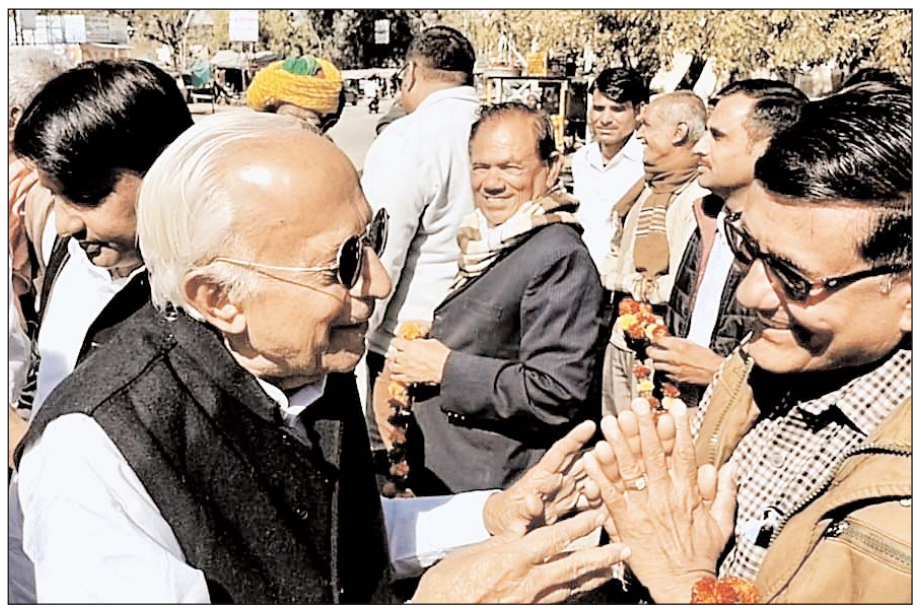

कद्दावर ब्राह्मण नेता व पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सुरेन्द्र व्यास ने आखिरकार अपनी 30 साल पुरानी चुप्पी तोड़ दी। उन्होंने अपने पिता, राजस्थान के लौह पुरुष रहे पूर्व गृहमंत्री दामोदर लाल व्यास की 47 वीं पुण्यतिथि पर अपने समर्थकों के साथ चर्चा की।

शरद यादव का दाह संस्कार परिवार ने किया

नर्मदापुरम/भोपाल, 14 जनवरी। वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव का शनिवार को मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले में स्थित गृहगांव आंखमऊ में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

यादव के पुत्र शांतनु ने मुखाग्नि दी। इस मौके पर मध्यप्रदेश के अलावा दिल्ली, बिहार और उत्तरप्रदेश से आए अनेक समाजवादी नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे। उनकी पार्थिक देह भोपाल से सड़क मार्ग से दिन में आंखमऊ ले जायी गयी। शाम को उनकी अंत्येष्टि की गयी। इसके पहले गांव में अंतिम यात्रा में हजारों की संख्या में ग्रामीण और आसपास के लोग भी मौजूद रहे। नर्मदापुरम जिले के बाबई में जन्मे यादव का गुरुवार रात्रि में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के एक अस्पताल में निधन हो गया था। उनकी पार्थिव देह को आज दिन में विशेष विमान से भोपाल लाया गया।

जालंधर से कांग्रेस सांसद की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साथ हैं। ईश्वर उनकी आत्म को शांति प्रदान करे। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट किया "जलंधर से कांग्रेस सांसद जल्दी ही साझा किया जाएगा।

लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला, कांग्रेस के पूर्व नेता अमरिन्दर सिंह और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शोक

- **76 वर्षीय संतोख सिंह चौधरी दो बार, 2014 व 2019 में, जालंधर से सांसद निर्वाचित हुए थे। उनके पुत्र विक्रमजीत सिंह फिल्लौर विधानसभा सीट से एम.एल.ए. हैं।**
- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, जयराम रमेश, लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला, कैप्टन अमरिन्दर सिंह व पंजाब के मु.मंत्री भगवंत सिंह मान ने चौधरी संतोख सिंह की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया।**
- **जयराम रमेश ने यह भी कहा कि, दुखद घटना के कारण यात्रा के कार्यक्रम में कुछ परिवर्तन होगा, जिसकी जानकारी प्रैस को समय पर दे दी जायेगी।**

76 वर्षीय संतोख सिंह चौधरी का भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हृदय की गति अचानक रूकने से आज सुबह निधन हो गया। उनके परिवार के प्रति हमारी गहरी शोक संवेदना है। यात्रा के कार्यक्रम में कुछ बदलाव होंगे, जिन्हें व्यक्त किया। चौधरी ने दो बार लोकसभा चुनाव जीता था। पहली बार वर्ष 2014 में और फिर वर्ष 2019 में उनके पुत्र विक्रमजीत सिंह चौधरी पंजाब के फिल्लौर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस विधायक हैं।

इंडोनेशिया में भूकंप के झटके

जकार्ता 14 जनवरी। इंडोनेशिया के पश्चिमी प्रांत बेंगकुलु में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। मौसम, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार शनिवार सुबह पांच बजकर 41 मिनट पर आया और रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.3 मापी गई। भूकंप का केंद्र कौर जिले से 55 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और समुद्र तल के नीचे 18 किलोमीटर की गहराई पर था।

तमिलनाडू के मु.मंत्री व राज्यपाल का "झगड़ा"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गये। दोनों में से कोई भी पक्ष नरम पड़ने के लिये तैयार नहीं है। द्रमुक तथा उसके मित्र दलों ने इस भावनात्मक मुद्दे का लाभ लेना शुरू कर दिया है, जिसे राज्यपाल ने थाली में परोस कर उन्हें दे दिया है। द्रमुक तथा उसके मित्रदल विरोध प्रदर्शन के परम्परागत तरीकों तथा सोशल मीडिया फ्लेटफॉर्मों को काम में लेते हुये पूरी ताकत से राज्यपाल के विरूद्ध अभियान चला रहे है। राजनैतिक पर्यवेक्षकों की दृढ़ मान्यता है कि राज्यपाल की तरफ से की गई उन कार्यवाहियों में भाजपा के अब तक के प्रयास पर पानी फेर दिया है। भाजपा भी इस बात की पूरी कोशिश कर रही है कि वह उत्तर भारतीय हिन्दुत्व को अपनाने वाली "उत्तर भारतीय" हिन्दी पार्टी की अपनी छवि को साफ कर दे तथा इसलिये उसने तमिल भाषा, संस्कृति तथा पहचान का राग अलापना शुरू कर दिया है। लेकिन वस्तुत: राज्यपाल ने जोश में आकर द्रविडवाद उस हवा निकालने की कोशिश की लेकिन उनके भाषण ने भाजपा की उपरोक्त कोशिश के ठीक उल्टा काम कर डाला। उन्होंने भाषा में आधुनिक तमिलनाडु के निर्माताओं तथा द्रविड़ पार्टियों के वैचारिक गुरूओं का नामाल्लेख करने से इनकार कर दिया। यद्यपि अन्नाद्रमुक (ए.आई.ए.डी.एम.के.) अपने, गठबन्धन-पार्टनर (भाजपा) के खिलाफ खुल कर नहीं आ सकती, लेकिन उसके नेताओं ने राज्यपाल द्वारा नाम परिवर्तन के सुझाव से दूरी बनाने की कोशिश तो की ही है तथा साफ तौर पर घोषित भी कर दिया है कि तमिलनाडु को तमिलनाडु ही कहा जायेगा तथा उसका नाम नहीं बदला जायेगा।

ड्रग्स तस्करी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को दर्ज हुआ था, लेकिन अब तक 22 में से सिर्फ तीन गवाहों के बयान ही दर्ज क्यों किए गए हैं? जस्टिस फरजंद अली की एकलपीठ ने यह आदेश रामचन्द्र की तीसरी जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता कपिल गुप्ता ने अदालत को बताया कि अजमेर जिले के नसीराबाद सदर थाना पुलिस ने 11 फरवरी 2020 को एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया था। वहीं पुलिस ने आरोप पत्र भी तय समय में पेश कर दिया था। अभियोजन पक्ष की ओर से 22 गवाहों की सूची भी अदालत में पेश की गई थी, लेकिन सिर्फ तीन गवाहों के बयान ही लेखबद्ध कराए गए हैं। जमानत याचिका में कहा गया कि मामले की अब तक हुई कछुआ चाल ट्रायल से साबित है कि इसकी सुनवाई पूरी होने में लंबा समय लगेगा, जिसके चलते याचिकाकर्ता के मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए। गुप्ता का विरोध करते हुए सरकारी वकील शेरसिंह महला ने कहा कि पुलिस ने वाणिज्यिक मात्रा से अधिक तीन किलोग्राम अफीम बरामद की थी। ऐसे में आरोपी को जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। गौरतलब है कि नसीराबाद सदर थाना पुलिस ने 11 फरवरी, 2020 को भीलवाड़ा की तरफ से हाईवे पर आ रही एक कार को रोककर उसकी तलाशी ली थी, जिसमें छिपाकर रखी तीन किलो सौ ग्राम अफीम बरामद कर याचिकाकर्ता सहित एक नाबालिग को पकड़ा गया था। पुलिस ने इस प्रकरण में एनडीपीएस एक्ट के तहत अदालत में आरोप पत्र पेश किया था।

'फिज़िकली हैण्डीकैप्ड वर्ग का आरक्षण क्षैतिज...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिव्यांगजन अधिकार नियम, 2018, के प्रावधानों के अनुसार विशेष योग्यजन वर्ग में किसी अन्य राज्य का मूल निवासी होने पर उसे नियुक्ति से वंचित नही किया जा सकता है। इसके अलावा विज्ञिप्त में स्पष्ट लिखा गया था कि संपूर्ण भारत के किसी भी राज्य के सक्षम अधिकारी द्वारा जारी विकलांगता प्रमाण पत्र मान्य होगा।

नियमानुसार दिव्यांगजन व्यक्ति को मूल निवासी होने के कारण नियुक्ति से वंचित करना संविधान के प्रावधान अनुच्छेद 16 के विपरीत है। न्यायालय ने माना कि, विज्ञिप्त की शर्तों के अनुसार जब आर.पी.एस.सी. ने याचिकाकर्ता को योग्य मानते हुए नियुक्ति की अनुशंसा कर दी तो विभाग का कृत्य स्वीकार योग्य नहीं है। विभाग को बार बार मौके-समय दिए जाने के बावजूद नियुक्ति आदेश जारी नही करने पर हाईकोर्ट ने इसे गंभीरता से लेते हुए कॉलेज शिक्षा विभाग के सयुंक्त निदेशक को याची के नियुक्ति आदेश जारी करने अन्यथा अगली सुनवाई तिथि पर कोर्ट के समक्ष व्यक्तिगत रुप से उपस्थित रहकर स्पष्टीकरण देने का आदेश जारी किया।

गौरतलब है कि, इससे पूर्व सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने 15 दिसंबर 2022 को आदेश जारी कर प्रार्थी को 31 दिसंबर से पहले पहले नियुक्ति आदेश जारी करने के निर्देश दिए थे। बावजूद इसके, नियुक्ति आदेश जारी नहीं किया गया, और आर.पी.एस.सी. को पत्र लिखकर याचिकाकर्ता के स्थान पर राजस्थान राज्य के अभ्यार्थी का नाम भेजने के लिए, 05 जनवरी 2023 को भेज दिया। याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि, राजस्थान में लागू दिव्यांग आरक्षण नियम, 2018, में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो याची को आरक्षण से वंचित करता हो।

राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाअधिवक्ता ने यह कहते हुए कि, दिव्यांगों को दिया जाने वाला रिज़र्वेशन, क्षैतिज आरक्षण नहीं होकर वर्टीकल (लम्बवत) आरक्षण है और ऐसे में जाति आधारित आरक्षण के प्रावधान लागू होने से राजस्थान से बाहर का मूल निवासी फिज़िकली हैण्डीकैप्ड दिव्यांग वर्ग में नियुक्ति का पात्र नहीं हैं और रिट याचिका ख़ारिज करने की गुहार लगाई।

जिस पर अधिवक्ता खिलेरी ने रिजॉइन्डर में कहा कि, पीएच- दिव्यांग वर्ग का आरक्षण क्षैतिज आरक्षण है जो जाति आधारित नहीं होता है। पीएच - दिव्यांग वर्ग की मेरिट सूची अलग से तैयार की जाती है जिसमें जाति/वर्ग का कोई संबंध नहीं होता है, जबकि जाति आधारित आरक्षण में मूल निवासी होना आवश्यक होता है। उन्होंने याचिका स्वीकार कर समस्त परिलाभो सहित नियुक्ति दिलाए जाने की गुहार की।

मामले की अंतिम सुनवाई के पश्चात न्यायाधिपति दिनेश मेहता ने रिट याचिका स्वीकार करते हुए अभिनिर्धारित किया कि, दिव्यांग अभ्यर्थी को दिया जाने वाला आरक्षण जातिगत आधार पर नहीं होकर एक क्षैतिज आरक्षण है जिसके लिए राज्य का मूल निवासी होना आवश्यक नहीं है। उन्होंने आयुक्त, निदेशालय कॉलेज शिक्षा विभाग जयपुर द्वारा जारी आदेश 05 जनवरी 23 को अपास्त करते हुए चार सप्ताह के भीतर नियुक्ति देने और 22 सितंबर 22 से नोशनल परिलाभ दिए जाने का निर्णय दिया।

आधार कार्ड से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नरेंद्र पुत्र हेमंत सिंह का पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2021 में प्राथमिक चयन हो चुका है। लिखित परीक्षा उत्तीर्ण होने के बाद फिजिकल और मैडिकल टेस्ट होता है। लिखित परीक्षा के साथ दोनों ने शारीरिक दक्षता परीक्षा भी पास कर ली थी। मेडिकल में दोनों अनफिट पाए गए। गत11 जनवरी को नरेन्द्र और तेजाराम, मथुरादास माथुर अस्पताल में सोनाग्राफी के लिए आए। आधार कार्ड में छेड़छाड़ और संदिग्ध लगने पर डॉक्टर ने इसकी सूचना उच्चाधिकारियों को दी। बाद में अस्पताल अधीक्षक की तरफ से इस बारे में पुलिस मुख्यालय डीसीपी विनीत बंसल को जानकारी दी गई। जांच पड़ताल में दोनों को फर्जी तरीके से सोनाग्राफी टेस्ट पास के प्रयास करते पाया गया और उनके विरूद्ध धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया गया।

'18 जनवरी तक अपहृत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्वेषण सेल, भिवाडी के एडीशनल और जांच अधिकारी रहे एएसआई को पेश होकर स्पष्टीकरण देने को कहा है। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस बिरेन्द्र कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश जावेद की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि केस डायरी के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि नाबालिग को ट्रक मालिक लेकर गया था, लेकिन ना तो ट्रक को जब्त किया गया और ना ही ट्रक मालिक को अब तक गिरफ्तार किया गया। बल्कि ऐसा लगता है कि पुलिस ट्रक मालिक की ओर से दी गई जानकारी के आधार पर जांच कर रही है। सुनवाई के दौरान महिला अपराध अन्वेषण सेल के एडी.एसपी अतुल साहू अदालत में पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि अब तक मामले की जांच एएसआई धर्मवीर कर रहे थे। एडीशनल ने कहा कि बच्चा लापता हो गया था और उसकी सूचना भी पुलिस स्टेशन में दी गई थी। हालांकि इसका रोजनामचा में कोई उल्लेख नहीं है। इस पर अदालत ने 18 जनवरी तक लापता को पेश नहीं करने पर एसपी, एडीशनल और जांच अधिकारी रहे एएसआई को हाजिर होने को कहा है। अधिवक्ता विकास कुमार जाखड ने अदालत को बताया कि गत आठ जुलाई को आधा दर्जन से अधिक लोग याचिकाकर्ता के घर आए थे और याचिकाकर्ता के भाई का अपहरण कर साथ ले गए। इस संबंध में याचिकाकर्ता ने आरोपियों के खिलाफ खैरथल थाने में नामजद रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने न तो आरोपियों को गिरफ्तार किया और ना ही याचिकाकर्ता के भाई को बरामद किया। याचिकाकर्ता ने इस संबंध में भिवाडी एसपी को भी अभ्यावेदन दिया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908